22 MAY
INTERNATIONAL DAY FOR BIODIVERSITY

From Agreement to Action:
Build Back Biodiversity

अनुबन्ध से क्रियान्वयन तक :

जैव विविधता पुनर्वास व पुनर्स्थापना एवं मिशन लाईफ

**(From Agreement to action:
Build Back to Biodiversity)
and Mission Life**

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड
लखनऊ

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

दृष्टि:

समाज को शुद्ध वायु, स्वच्छ जल, पोषक तत्वों से परिपूर्ण भोजन एवं स्थानीय समुदाय को आजीविका के संसाधन उपलब्ध करवाने हेतु–

- जैव विविधता का संरक्षण व विकास।
- स्थानीय परम्परा, ज्ञान व संस्कृति का सम्मान।
- जैव संसाधनों के अवयवों के पोषणीय उपयोग से सृजित लाभों का उचित व साम्यपूर्ण वितरण।
- जैव विविधता क्षरण पर प्रभावी नियंत्रण।

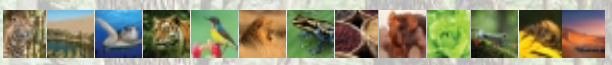

Vision:

To ensure clean air, pure water, adequate and nutritious food to the society as well as livelihood to the local community-

- Conservation and development of biological diversity.
- Respect for local traditions, knowledge and culture.
- Fair and equitable sharing of benefits arising from the utilization of bio-resources.
- Effective control of biodiversity degradation.

22 MAY
INTERNATIONAL DAY FOR BIODIVERSITY

From Agreement to Action:
Build Back Biodiversity

अनुबन्ध से क्रियान्वयन तक :

जैव विविधता पुनर्वास व पुनर्स्थापना एवं मिशन लाईफ

**(From Agreement to action:
Build Back to Biodiversity)
and Mission Life**

LiFE
Lifestyle for Environment

उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड
U.P. STATE BIODIVERSITY BOARD

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड
लखनऊ

प्रकाशक

©

इस पुस्तिका के किसी भी अंश का प्रकाशन करने
से पूर्व प्रकाशक की लिखित अनुमति अनिवार्य है।

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

ईस्ट विंग, तीसरी मंजिल, ए-ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड,
गोमती नगर, लखनऊ-226 010, उ०प्र०, भारत, दूरभाष : 0522 4006746
ईमेल : upstatebiodiversityboard@gmail.com
वेबसाईट : www.upsbdb.org

प्रकाशन वर्ष : 2023

मुद्रक :
शिवम आर्ट्स
269, दूसरी गली, निशातगंज, लखनऊ-226006
दूरभाष : 9415061690, ईमेल : shivamarts.lko@gmail.com

अनुबन्ध से क्रियान्वयन तक :

जैव विविधता संरक्षण हेतु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए सम्मेलन व सन्धियाँ

क्रम सं०	वर्ष	सम्मेलन/समझौता	स्थान	मुख्य निर्णय
1	1992	पृथ्वी सम्मेलन	रियो डि जेनरो (ब्राजील)	• कन्वेन्शन ऑन बायोलॉजिकल डाईवर्सिटी: **मुख्य उद्देश्य:-** • जैव विविधता का संरक्षण • जैव विविधता के अवयवों का पोषणीय उपयोग और • आनुवंशिक संसाधनों के उपयोग से उद्भूत लाभों का साम्यापूर्ण हिस्सा बँटाना
2	2000	कार्टाजीना प्रोटोकॉल	मॉण्ट्रियल, कनाडा	जैव विविधता को आधुनिक जैव तकनीक के कारण जीवित संशोधित जीव (लिविंग मॉडीफाईड आर्गेनिज्म) द्वारा संभावित खतरों से सुरक्षित करना।
3	2010	नगोया प्रोटोकॉल (सी ओ पी 10)	नगोया जापान	नगोया प्रोटोकॉल को आनुवांशिक संसाधनों तक पहुँच और उनके उपयोग से उद्भूत लाभों के साम्यापूर्ण व न्याय-संगत बँटवारे के लिए अपनाया गया।
4	2022	कुनमिंग-माण्ट्रियल ग्लोबल बायो-डाईवर्सिटी फ्रेमवर्क (सी ओ पी 15)	कुनमिंग-माण्ट्रियल (चाईना–कनाडा)	• वर्ष 2050 तक प्राप्त करने हेतु कुनमिंग-माण्ट्रियल ग्लोबल बायो-डाईवर्सिटी फ्रेमवर्क में 4 दीर्घ-कालीन लक्ष्य(गोल) निर्धारित किए गए हैं।
				• जैव विविधता के समक्ष उत्पन्न खतरों को न्यून करने, संवहनीय उपयोग व लाभ में साझेदारी के माध्यम से जनता की आवश्यकताओं की पूर्ति एवं क्रियान्वयन व मुख्य धारा में लाने हेतु उपकरण व

क्रम सं०	वर्ष	सम्मेलन/समझौता	स्थान	मुख्य निर्णय
				समाधान हेतु फ्रेमवर्क में वर्ष 2030 तक प्राप्त करने हेतु 23 अल्पकालीन वैश्विक लक्ष्य (टार्गेट) निर्धारित किए गए हैं। ● निर्णय, निर्माण प्रक्रिया में जैव विविधता संरक्षण और सतत् उपयोग को मुख्य धारा में लाना। ● यह घोषणा जैव विविधता की वर्तमान क्षति को कम करने एवं वर्ष 2030 तक जैव विविधता को पुनः प्राप्ति के मार्ग पर लाने के लिए की गई है। ● मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा में संरक्षण के महत्व की पहचान करना। ● अधिक संधारणीय और पर्यावरण के अनुकूल आपूर्ति श्रृखंला का निर्माण करना। ● समस्त पक्षों विशेषकर विकसित देशों को कुनमिंग मॉण्ट्रियल ग्लोबल बायोडाईवर्सिटी फ्रेमवर्क के पूर्णतया क्रियान्वयन हेतु वित्तीय संसाधन, क्षमता निर्माण, तकनीकी व वैज्ञानिक सहयोग एवं तकनीकी हस्तान्तरण तक पहुच कराने सहित क्रियान्वयन हेतु पर्याप्त संसाधन उपलब्ध करवाना।

उक्त के साथ ही कार्बन उत्सर्जन व जलवायु परिवर्तन की दर में कमी करने हेतु पेरिस समझौता व ग्लासगो सम्मेलन सहित विभिन्न सम्मेलन व समझौते हुए।

कन्वेंशन ऑन बायोलॉजिकल डाईवर्सिटी (सी0बी0डी0) व नगोया प्रोटोकॉल के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रख्यापित अधिनियम/नियम/विनियमः-

- जैव विविधता अधिनियम, 2002
- जैव विविधता नियम, 2004
- उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता नियमावली, 2010
- जैविक संसाधनों तक पहुँच और सहयुक्त जानकारी तथा फायदा बँटाना विनियम, 2014

जैव विविधता प्रकृति की आन बनाए रखना इसकी शान

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की स्थापना

जैव विविधता अधिनियम, 2002 (अधिनियम संख्या 18) की धारा-22 की उप धारा (1) के अधीन राज्य सरकार की शक्तियों का प्रयोग कर अधिसूचना संख्या 1498/14-5-2006-57/2006 दिनाँक 20-09-06 द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य के लिए ''उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड नामक बोर्ड की स्थापना की गयी।

जैव विविधता अधिनियम, 2002 की धारा-23 के अनुसार राज्य जैव विविधता बोर्ड के कृत्य

- राज्य सरकार केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए किसी मार्ग दर्शन के अधीन रहते हुए जो जैव विविधता के संरक्षण, उसके अवयवों के पोषणीय उपयोग तथा जैव संसाधनों के उपयोग में से उद्‌भूत फायदों के साम्यापूर्ण हिस्सा बंटाने के संबंध में राज्य सरकार को सलाह देना;
- वाणिज्यिक उपयोग या जैव सर्वेक्षण और भारतीयों द्वारा किसी जैव विविधता संसाधन के जैव उपयोग के लिए अनुमोदन या अन्यथा अनुरोध को मंजूर करके, विनियमित करना;
- ऐसे अन्य कृत्यों को करना जो इस अधिनियम के उपबंधों के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक हों और राज्य सरकार द्वारा विहित किए जाएँ।

दृष्टिः

समाज को शुद्ध वायु, स्वच्छ जल, पोषक तत्वों से परिपूर्ण भोजन एवं स्थानीय समुदाय को आजीविका के संसाधन उपलब्ध करवाने हेतु–

- जैव विविधता का संरक्षण व विकास
- स्थानीय परम्परा, ज्ञान व संस्कृति का सम्मान
- जैव संसाधनों के अवयवों के पोषणीय उपयोग से सृजित लाभों का उचित व साम्यापूर्ण वितरण
- जैव विविधता क्षरण पर प्रभावी नियंत्रण

वृक्ष से वायु। वायु से आयु।।

प्रदेश की जैव विविधता

वन जैव विविधता

प्रदेश, उत्तर में हिमालय या दक्षिण में विन्ध्य श्रृंखला से निकलने वाली नदियों से अभिसिंचित है। गंगा तथा उसकी प्रमुख सहायक नदियाँ-यमुना, रामगंगा, गोमती, घाघरा तथा गण्डक नदियाँ हिमालय के शाश्वत हिमखण्डों से निकलती हैं। चंबल, बेतवा और केन नदी विन्ध्य श्रृंखला से निकलकर यमुना में मिलने से पूर्व प्रदेश के दक्षिण पश्चिमी भाग को सींचती हुई प्रदेश की सीमा से बाहर बिहार प्रदेश में गंगा में मिलती है।

भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा निर्गत वन स्थिति रिपोर्ट, 2021 के अनुसार प्रदेश में अभिलिखित वन क्षेत्र 16,710 वर्ग कि०मी० (भौगोलिक क्षेत्र का 6.91प्रतिशत) एवं वनावरण व वृक्षावरण 22,239 वर्ग कि०मी० (भौगोलिक क्षेत्र का 9.23 प्रतिशत) है। भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा चैम्पियन और सेठ वर्गीकरण के सन्दर्भ में किए गए मानचित्रण के अनुसार प्रदेश में पाए जाने वाले 27 प्रकार के वनों को पाँच वन प्रकार समूहों में विभक्त किया गया है। इनमें उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती (50.66 प्रतिशत) एवं उष्ण कटिबंधीय नम पर्णपाती (19.68 प्रतिशत) वन प्रकार समूह प्रमुख हैं।

प्रदेश का 2,40,928 वर्ग कि०मी० भौगोलिक क्षेत्र व 09 कृषि जलवायु क्षेत्रों (एग्रो क्लाईमेटिक जोन)– भाबर व तराई क्षेत्र, पश्चिमी मैदानी क्षेत्र, मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र, दक्षिण पश्चिमी अर्ध शुष्क मैदानी क्षेत्र, केन्द्रीय मैदानी क्षेत्र, उत्तर पूर्वी मैदानी क्षेत्र, पूर्वी मैदानी क्षेत्र, बुन्देलखण्ड क्षेत्र एवं विन्ध्य क्षेत्र में वर्गीकृत हैं।

साल *(शोरिया रोबस्टा)* के घने वन, घास के मैदान शीशम *(डलबर्जिया सिस्सू)* की बहुलता वाले घास युक्त वन, सागौन *(टेक्टोना ग्रान्डिस)*, खैर *(अकेसिया कटैचू)*, यूकेलिप्टस, जामुन *(साइजिजियम क्यूमिनाई)*, दलदली क्षेत्र, दीमक की बाम्बियों से आच्छादित क्षेत्र, 550 से अधिक पक्षी प्रजातियाँ, 150 से अधिक तितली प्रजातियाँ, आठ गिद्ध प्रजातियाँ, वन क्षेत्रों में सेराविड्स की पाँच प्रजातियाँ– चीतल *(एक्सिस एक्सिस)*, साँभर *(रूसा यूनीक्लोर)*, मुंतिजैक *(मुन्टिएकुस मुन्टिजैक)*, पाड़ा *(एक्सिस पोरसिनस)* तथा बारासिंघा *(रूसेरवस डुवाउसेली)*, सर्वाधिक संकटापन्न पक्षी बंगाल फ्लोरिकेन *(होयूबारोप्सिस बेंगालेंसिस)*, हिस्पिड हेयर, सरीसृप की विभिन्न प्रजातियाँ, एक सींग वाला गैंडा, राष्ट्रीय पशु बाघ, राष्ट्रीय धरोहर हाथी सहित विभिन्न प्राणि व पादप प्रजातियॉ प्रदेश की वन जैव विविधता को समृद्धि प्रदान कर रही हैं।

उत्तर प्रदेश में एक राष्ट्रीय उद्यान (दुधवा राष्ट्रीय उद्यान), चार टाईगर रिजर्व (दुधवा टाईगर रिजर्व, पीलीभीत टाईगर रिजर्व, अमानगढ़ टाईगर रिजर्व एवं रानीपुर टाईगर रिजर्व), दो हाथी रिजर्व (शिवालिक हाथी रिजर्व व तराई हाथी रिजर्व),एक कंजर्वेशन रिजर्व (ब्लैक बक कंजर्वेशन रिजर्व, मेजा प्रयागराज) एवं 26 वन्यजीव विहारों में वन जैव विविधता पल व बढ़ रही है। प्रदेश के 4 प्राणि उद्यानों (नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ, कानपुर प्राणि उद्यान, कानपुर, शहीद अशफाक उल्लाह खाँ प्राणि उद्यान, गोरखपुर एवं इटावा लॉयन सफारी, इटावा) व एक जैव विविधता विरासत स्थल (घड़ियाल पुनर्वास एवं

प्रजनन केन्द्र, कुकरैल, लखनऊ) जैव विविधता के एक्स सीटू संरक्षण में योगदान दे रहे हैं। प्रदेश के राष्ट्रीय उद्यान व वन्यजीव विहारों से प्रदेश का 6,313.46 वर्ग कि०मी० अर्थात् प्रदेश के वन क्षेत्र का लगभग 38 प्रतिशत एवं भौगोलिक क्षेत्र का 2.6 प्रतिशत भाग आच्छादित है। वन क्षेत्र के सापेक्ष संरक्षित क्षेत्र, प्रतिशत की दृष्टि से देश में सर्वाधिक है।

प्रदेश में लगभग 11.45 लाख हेक्टेयर (भौगोलिक क्षेत्र का 4.8 प्रतिशत) वेटलैण्ड्स से आच्छादित है। प्रदेश के वेटलैण्ड्स मगर, घड़ियाल, राष्ट्रीय जलीय जीव डॉल्फिन, राज्य पशु बारासिंघा, राज्य पक्षी सारस, स्वच्छ जल की कछुओं की 14 प्रजातियों एवं शीत ऋतु में प्रतिकूल परिस्थितियों से बचने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका रूस, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, म्यांमार, चीन व यूरोप के विभिन्न देशों से आने वाले इंडियन स्कीमर, बार हेडेड गूज, रूडीशेल्डक् रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, मलार्ड, कुरंजा, ग्रे लेग जैसे अतिथि पक्षियों के प्रिय वास स्थल हैं।

प्रदेश में अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के 10 वेटलैण्ड्स का प्रबन्धन रामसर साईट के रूप में किया जा रहा है:-

क्रम सं०	वेटलैण्ड का नाम	रामसर साईट घोषित होने का वर्ष	जनपद का नाम
1	अपर गंगा रीवर (बृज घाट से नरौरा)	2005	बुलन्दशहर
2	नवाबगंज पक्षी विहार	2019	उन्नाव
3	पार्वती अरगा पक्षी विहार	2019	गोण्डा
4	समान पक्षी विहार	2019	मैनपुरी
5	समसपुर पक्षी विहार	2019	रायबरेली
6	साण्डी पक्षी विहार	2019	हरदोई
7	सरसई नावर झील	2019	इटावा
8	सूर सरोवर (कीठम झील पक्षी विहार)	2020	आगरा
9	हैदरपुर वेटलैण्ड	2021	बिजनौर
10	बखीरा पक्षी विहार	2022	सन्त कबीर नगर

रामसर साईट की संख्या के दृष्टिगत रामसर साईट की सर्वाधिक संख्या तमिलनाडु (14) के पश्चात् उत्तर प्रदेश (10) में है।

घरेलू जैव विविधता

वैश्विक मत्स्य जैव विविधता में हमारे देश का योगदान 11.72 प्रतिशत है। देश की स्वच्छ जल की मत्स्य जैव विविधता में प्रदेश की मत्स्य जैव विविधता का योगदान लगभग 12 प्रतिशत है।

प्रदेश फलोद्यानिक विविधता की दृष्टि से भी समृद्ध है। अमरूद व आम की कई प्रजातियों को विश्व स्तर पर प्रसिद्धि प्राप्त है।

सब्जियों की स्थानिक किस्म/जाति में राम नगर जायंट ब्रिन्जल, जौनपुरी नेवाड़ मूली एवं महत्वपूर्ण कुकरबिट प्रजातियाँ में ककड़ी, चिचिंडा, पेठा, तरोई, खेकसी, खरबूज, तरबूज, कुंदरू, कद्दू, परवल, करेला, सतपुतिया, फूट आदि प्रमुख हैं।

कृषि विविधता में गेहूँ, चावल, मक्का, ज्वार, जौ, सांवा, मडुआ, कोदो, चीना, बाजरा व कनघुनी जैसे अनाज अरहर, चना, सोयाबीन, हरी मटर, मूंग, उड़द, लोबिया व मसूर जैसी फलीदार प्रजातियाँ, सरसों, राम तिल, काला तिल, तीसी, मूँगफली, कुसुम, तिल व सूरजमुखी प्रमुख तिलहन फसल हैं। गन्ना प्रदेश की प्रमुख नकदी फसल है।

भारत में उत्पादित चावल (ओरिजा प्रजाति) विश्व की सर्वाधिक महत्वपूर्ण खाद्य फसल है। इस फसल की प्रजातियों में पाई जाने वाली विभिन्नता अद्वितीय है। उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र– सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर, महाराजगंज, बस्ती, गोण्डा व गोरखपुर में व्यापक रूप से उगाया जाने वाला 'काला नमक' चावल देश के सर्वोत्तम खुशबूदार चावलों में से एक व क्षेत्र की विशिष्ट पहचान है।

पालतू पशु जैव विविधता की दृष्टि से प्रदेश का विशिष्ट स्थान है। गाय की दुधारू नस्लों में साहिवाल, शुष्क नस्लों में केनकथा, खेरीगढ़ व पंवार तथा उभय प्रयोजन नस्ल में गंगातीरी गाय प्रमुख हैं।

भदावरी नस्ल की भैंस, बकरियों की बरबरी व जमुनापारी नस्ल एवं भेड़ की मुजफ्फरनगरी व जालौनी नस्ल प्रदेश की शान है।

विश्व देश व प्रदेश में पाई जाने वाली जैव विविधता एक दृष्टि में:–

पादप विविधिता

पादप साम्राज्य के समूह	विश्व में प्रजातियों की संख्या	भारत में प्रजातियों की संख्या	उत्तर प्रदेश में प्रजातियों की संख्या	विश्व के सापेक्ष उ0प्र0 में प्रजातियों का प्रतिशत	भारत के सापेक्ष उ.प्र. की प्रजातियों का प्रतिशत
काई	40,000	7,182	301	0.75	4.19
कवक	72,000	14,588	935	1.29	6.40
लाईकेन्स	13,500	2,268	135	1.0	5.95
ब्रायोफाइट्स	16,600	2,451	72	0.43	2.93
टैरीडोफाइट्स	10,000	1,236	41	0.41	3.31
जिम्नोस्पर्म्स	650	69	06	0.92	8.69
एंजियोस्पर्म्स	2,50,000	17,643	1,442	0.57	8.17
योग	4,02,750	45,437	2,932	0.72	6.45

प्राणि विविधता

पशु साम्राज्य के समूह	विश्व में प्रजातियों की संख्या	भारत में प्रजातियों की संख्या	उत्तर प्रदेश में प्रजातियों की संख्या	विश्व के सापेक्ष उ0प्र0 में प्रजातियों का प्रतिशत	भारत के सापेक्ष उ0प्र0 में प्रजातियों का प्रतिशत
प्रोटोजोआ (मुक्त जीवी+परजीवी)	31,250	3,500	41	0.13	1.17
नीमाटोड (समस्त) मौलस्क	30,028	2,902	140	0.46	4.82
मौलस्क	66,535	5,169	47	0.07	0.90
आरथ्रोपोडा (इनसेक्टा)	10,20,007	63,423	1,445	0.14	2.27
आरथ्रोपोडा (अरकिन्डा)	73,451	5,850	15	0.02	0.25
पिसेस्	32,120	3,022	152	0.47	5.02
एम्फीबिया	6,771	342	25	0.36	7.30
रेप्टीलिया	9,230	526	77	0.83	14.63
एव्स	9,026	1,233	358	3.96	29.03
मैमेलिया	5,416	423	87	1.60	20.56
योग	12,83,834	86,390	2,387	0.18	2.76

जीवन का आधार, प्रकृति से प्यार

वन जैव विविधता :

पालतू जैव विविधता :

जौनपुरी नेवाड़ मूली

काला नमक चावल

जायंट ब्रिन्जल

भदावरी भैंस

जमुनापारी बकरी

गंगातीरी गाय

जैव विविधता विरासतीय स्थल (बी०एच०एस०)

जैव विविधता अधिनियम, 2002 की धारा-37 के प्राविधानों के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश शासन, वन एवं वन्यजीव अनुभाग-5 द्वारा निर्गत अधिसूचना संख्या–1348/14-5-2016-15/2016 दिनांक 11 अगस्त, 2016 द्वारा **''घड़ियाल पुनर्वास केन्द्र, कुकरैल, लखनऊ''** आरक्षित वन को उत्तर प्रदेश राज्य का जैव विविधता विरासतीय स्थल अधिसूचित किया गया है।

इंडोपिपटाडेनिया आउढेंसिस (*Indopiptadenia oudhensis*) प्रजाति

भारत सरकार द्वारा जैव विविधता अधिनियम, 2002 की धारा-38 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्गत अधिसूचना दिनांक 15 अप्रैल, 2009 द्वारा विलुप्ति के कगार पर पहुँची *इंडोपिपटाडेनिया आउढेंसिस (Indopiptadenia oudhensis)* प्रजाति के संग्रहण को शर्तों के अधीन प्रतिषिद्ध और विनियमित किया गया है।

उत्तर प्रदेश के विरासत वृक्ष (*Heritage Trees of Uttar Pradesh*)

सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा गैर वन क्षेत्र (सामुदायिक भूमि) पर अवस्थित पौराणिक/ऐतिहासिक अवसरों, महत्वपूर्ण घटनाओं, अति विशिष्ट व्यक्तियों, स्मारकों, धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं से जुड़े 28 प्रजातियों– अर्रू, अर्जुन, आम, इमली, कैम, करील, कुसुम, खिरनी, शमी, गम्हार, गूलर, छितवन, चिलबिल, जामुन, नीम, एडनसोनिया, पाकड़, पीपल, पीलू, बरगद, महुआ, महोगनी, मैसूर बरगद, शीशम, साल, सेमल, हल्दू व तुमाल के 948 वृक्षों को विरासत वृक्ष घोषित कर **उत्तर प्रदेश के विरासत वृक्ष (Heritage Trees of Uttar Pradesh)** नामक कॉफी टेबल बुक के रूप में अभिलिखित किया गया।

कुँवासी बड़ाडाड़ ग्राम सभा (जनपद सुल्तानपुर) अवस्थित बरगद वृक्ष

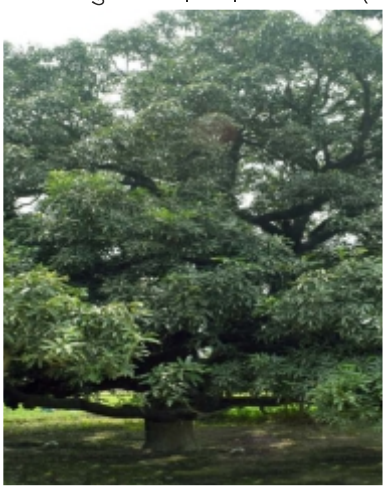

दशहरी गांव (लखनऊ) में दशहरी आम का मातृ वृक्ष (मदर ट्री)

पारादान ग्राम (जनपद फतेहपुर) में अवस्थित बावन इमली

प्रयागराज किला संगम क्षेत्र (जनपद प्रयागराज)
अवस्थित अक्षय वट

ग्राम ललई, पोस्ट खैरागढ़ (जनपद फिरोजाबाद)
अवस्थित पीपल वृक्ष

प्रदेश में अवस्थित विरासत वृक्षों के संरक्षण के प्रति जागरूकता व जन संवेदना उत्पन्न करने एवं विरासत वृक्ष स्थलों को पर्यटकों के लिए आकर्षण के केन्द्र के रूप में विकसित करने हेतु उच्च गुणवत्ता के छायाचित्रों का समावेश, वीडियो फिल्म तैयार करना एवं क्यू आर कोड आधारित सर्च सिस्टम विकसित कर कॉफी टेबल बुक का संशोधित व उन्नत द्वितीय संस्करण तैयार किया गया है।

हमारा वृक्ष, हमारी छाया

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता रणनीति एवं कार्ययोजना [Uttar Pradesh State Biodiversity Strategy and Action Plan-(UPSBSAP)]

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा Uttar Pradesh State Biodiversity Strategy and Action Plan (UP SBSAP) तैयार किया गया है। दस वर्षीय (2021-2030) यह एक्शन प्लॉन यूनाइटेड नेशन्स डेवलेपमेन्ट प्रोग्राम (यू०एन०डी०पी०) के वित्त पोषण तथा भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून के तकनीकी सहयोग से तैयार किया गया है।

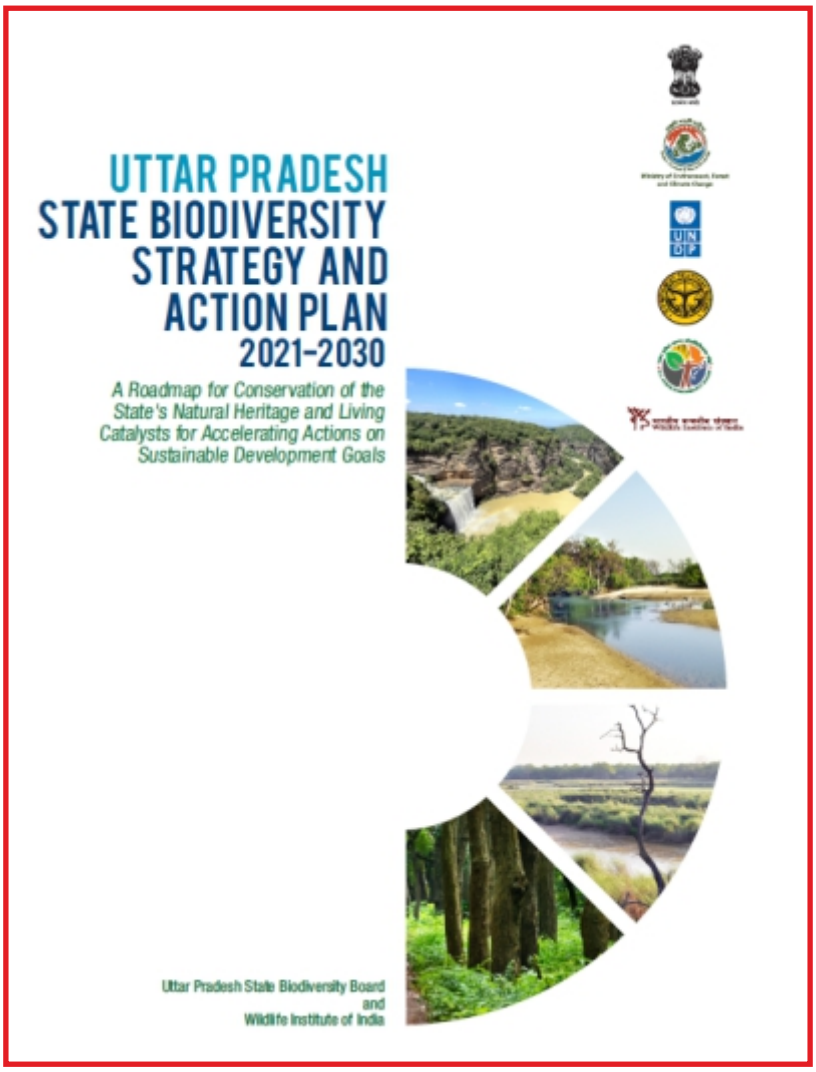

जैव विविधता शासन

जैव विविधता प्रबन्ध समितियो की स्थापना (बी०एम०सी०)		
ग्राम पंचायत	नगर निकाय	योग
(58755)	(657)	
58755	652	59407
तैयार किए गए जन जैव विविधता पंजिका (पी०बी०आर०)		
ग्राम पंचायत	नगर निकाय	योग
(58755)	(657)	
58755	652	59407

जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के सुदृढ़ीकरण एवं क्षमता विकास हेतु कार्यशालाओं का आयोजन

जनवरी, 2020 में पंचायती राज विभाग द्वारा 58,755 ग्राम सभाओं में जैव विविधता प्रबंध समितियों **(Biodiversity Management Committees)** का गठन कर जन जैव विविधता पंजिका **(People's Biodiversity Register)** तैयार किए गए। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, चेन्नई द्वारा दिए गए मार्गनिर्देश ''पंचायती राज विभाग द्वारा फास्ट ट्रैक पद्धति से तैयार किये गये पी०बी०आर०, एन०बी०ए० द्वारा निर्गत गाईडलाईन्स के अनुरूप नही हैं'' के क्रम में उक्तानुसार विस्तृत जन जैव विविधता पंजिका तैयार किए जाने एवं जैव विविधता अधिनियम, 2002 के प्राविधानों से परिचित कराने हेतु उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा प्रथम चरण में हस्तिनापुर (मेरठ), मथुरा, गोण्डा एवं कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग (बहराईच) में जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के सुदृढ़ीकरण एवं क्षमता विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत कार्यशालाएं आयोजित की गई।

जन जैव विविधता पंजिका (पी०बी०आर०) की गुणवत्ता, मूल्यांकन व अनुश्रवण हेतु राज्य स्तरीय समिति का गठन

अध्यक्ष, राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण, चेन्नई के पत्र संख्या–**NBA/5/30/219/SBB/NGT** दिनांक 30.03.2020 द्वारा मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश को मा० एन०जी०टी० द्वारा दिये गये निर्देशों

"State Government is advised to constitute a 5-7 members State-level PBR Quality Evaluation Monitoring Committee, comprising of subject matter experts including superannuated forest service officers which could oversee the quality of PBRs by evolving a suitable mechanism and also to support the National PBR Monitoring Committee appropriately." के अनुपालन में जन जैव विविधता पंजिका (पी०बी०आर०) की गुणवत्ता, मूल्यांकन व अनुश्रवण हेतु राज्य स्तरीय समिति **(State Level People's Biodiversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee)** गठन के प्रस्ताव का अनुमोदन बोर्ड की बाईसवीं बैठक दिनांक 12.03.2021 को किया गया।

उक्त क्रम में डॉ० रूपक डे, भा०व०से०, सेवानिवृत्त, हेड ऑफ फारेस्ट फोर्स / प्रधान मुख्य वन संरक्षक, उ०प्र० की अध्यक्षता में **State Level People's Biodiversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee** का गठन किया गया।

बेनीफिट शेयरिंग (ए०बी०एस०)

जैव संसाधनों का वाणिज्यिक उपयोग करने वाले व्यापारियों (ट्रेडर्स) व विनिर्माताओं (मैन्यूफैक्चरर्स) द्वारा बोर्ड के कोष में धनराशि जमा करवाई गई।

जीवन है ही जीव व वन।

मिशन लाईफ

- माननीय प्रधानमंत्री जी नरेन्द्र मोदी जी ने ग्लासगो में आयोजित सी ओ पी 26 (कॉप 26) में 01 नवम्बर, 2021 को विश्व के समक्ष मिशन लाईफ (Mission LIFE) की अवधारणा प्रस्तुत की। LIFE की अवधारणा के अन्तर्गत विनाशकारी एवं विवेकहीन उपभोग के स्थान पर विवेकपूर्ण व समझदारी से उपयोग' को जन अभियान व जनान्दोलन बनाना है।
- वास्तव में मिशन लाईफ की अवधारणा व्यवहार व जीवनशैली में परिवर्तन, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करना एवं शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहने का मूल मंत्र है।
- समुदाय व व्यक्तियों को प्रकृति के साथ सामंजस्य व प्रकृति को क्षति न पहुँचाने वाली जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करना था। इस प्रकार की जीवनशैली अपनाने वालों को 'प्रो प्लेनेट पीपुल' के रूप में मान्यता प्रदान किया जाना।
- हमारे देश व प्रदेश में पर्यावरण के प्रति चिन्ता व्यक्त करते हुए जलवायु परिवर्तन की जटिल समस्या के निदान हेतु व्यवहार परिवर्तन हेतु वृहद् स्तर पर कार्यक्रम संचालित करने का समृद्ध अनुभव है।
- पर्यावरण को स्वच्छ रखने, संक्रामक रोगों का प्रसार रोकने एवं मानव गरिमा व सम्मान बनाए रखने हेतु 'स्वच्छ भारत मिशन' के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में विगत 7 वर्षों में 10 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है।

- वतावरण में कार्बन उत्सर्जन की मात्रा न्यून करने, महिलाओं को धुएं से होने वाली बीमारियों से बचाने एवं वनों पर जैविक दबाव कम करने हेतु उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत एल पी जी गैस कनेक्शन निःशुल्क उपलब्ध करवाए गए हैं। वर्ष 2015 में घरेलू एल.पी.जी. कनेक्शन की उपलब्धता 62 प्रतिशत घरों तक होने के सापेक्ष वर्ष 2021 में 99.8 प्रतिशत घरों तक हो गई।
- भारत के स्वतन्त्रता प्राप्ति के 75वें वर्ष में लाईफ (LIFE) अभियान के अन्तर्गत 7 श्रेणियों में 75 गतिविधियाँ चिन्हित की गई हैं। इन गतिविधियों में ऊर्जा बचत, जल बचत, एकल उपयोग प्लास्टिक के प्रयोग में कमी, सतत खाद्य प्रणाली को अपनाना, अपशिष्ट में कमी (स्वच्छता अभियान), स्वस्थ जीवनशैली अंगीकृत करना एवं ई अपशिष्ट की मात्रा कम करना शामिल है।
- एल.ई.डी. बल्ब/ट्यूबलाईट, यथासंभव सार्वजनिक वाहन, यथासंभव एलीवेटर के स्थान पर सीढ़ी तथा अल्प दूरी या स्थानीय प्रयोग हेतु साईकिल का प्रयोग कर प्रत्येक व्यक्ति ऊर्जा बचाने में अपना योगदान दे सकता है।
- लाल बत्ती और रेलवे क्रासिंग पर वाहन का इंजन बन्द कर, सही गियर पर वाहन चालन व मित्रों व सह कर्मियों के साथ कार पूलिंग कर एवं उपयाग के उपरान्त सिंचाई पम्पों को बन्द करने की जीवनशैली अपनाकर हम सब ऊर्जा बचत में अपना योगदान सरलतापूर्वक दे सकते हैं।
- वर्ष 2021 में आयोजित ग्लासगो सम्मेलन में प्रधानमन्त्री जी ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो अर्थात् शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। मिशन लाईफ के अन्तर्गत निर्धारित एक्शन प्लान को जीवन में आत्मसात कर, सौर ऊर्जा सहित विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ाकर एवं विभिन्न आयोजनों व कार्यक्रमों में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों को शून्य कार्बन उत्सर्जन बनाकर लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में तीव्र गति से बढ़ने हेतु प्रदेश प्रतिबद्ध है।

- प्रदेश में श्री अन्न, अर्थात् मोटे अनाज अर्थात् ज्वार, बाजरा, रागी, लघु धान्य अर्थात् कुटकी, कोदो, सावां, कांगनी और चीना जैसी फसलों के उत्पादन में कम जल का प्रयोग, जलवायु परिवर्तन के प्रति सहनशील होने एवं प्रतिरक्षा व पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देने हेतु सम्पूर्ण प्रदेश विशेषकर बुन्देलखण्ड क्षेत्र और दक्षिण पश्चिम के मैदान में श्री अन्न के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है।
- प्लास्टिक कागज आदि के पुनर्चक्रण, गाय के गोबर से तैयार जैविक खाद का प्रयोग कर जैविक खेती, भोजन की बर्बादी रोकने, सामुदायिक स्तर पर जैव विविधता संरक्षण, कागज के दोनों ओर लिखने सहित विभिन्न अभिनव प्रयासों को अपनाकर कार्बन उत्सर्जन की मात्रा कम कर जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने में अपना योगदान प्रस्तुत कर सकते हैं।

आइए मिशन लाईफ के अन्तर्गत कार्य योजना को जीवनशैली का अंग बनाकर शून्य कार्बन उत्सर्जन समाज बनाने हेतु योगदान दें।

22 MAY From Agreement to Action: Build Back Biodiversity

LiFE Lifestyle for Environment

प्रतिज्ञा

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि पर्यावरण को बचाने के लिए अपनी दैनिक जीवन में हर संभव बदलाव लाऊंगा/लाऊंगी। मैं यह भी वचन देता/देती हूँ कि अपने परिवार, मित्रों और अन्य लोगों को पर्यावरण के अनुकूल आदतों और व्यवहारों के महत्व के विषय में सतत रूप से प्रेरित करूंगा/करूंगी।

जैव विविधता उत्सव / Biodiversity Festival

क्र.सं. Sl. No.	दिनांक Date	जैव विविधता उत्सव Biodiversity Festivals
1.	02 फरवरी/ February	विश्व वेटलैण्ड्स दिवस/ World Wetlands Day
2.	फरवरी माह का तृतीय शनिवार/3rd Saturday of February	विश्व पेंगोलिन दिवस/ World Pangolin Day
3.	28 फरवरी/ February	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस/ National Science Day
4.	03 मार्च/ March	विश्व वन्यजीव दिवस/ World Wildlife Day
5.	12 मार्च/ March	विश्व मकड़ी दिवस / World Spider Day
6.	14 मार्च/ March	विश्व तितली दिवस / World Butterfly Day
7.	20 मार्च/ March	विश्व गौरय्या दिवस / World Sparrow Day
8.	21 मार्च/ March	अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस / International Day of Forests
9.	22 मार्च/ March	विश्व जल दिवस / World Water Day
10.	मार्च माह का अन्तिम शनिवार/ Last Saturday of March	अर्थ ऑवर/ Earth Hour
11.	22 अप्रैल/April	पृथ्वी दिवस / Earth Day
12.	अप्रैल माह का अन्तिम शनिवार/ Last Saturday of April	मेढ़क बचाओ दिवस / Save the Frogs Day
13.	मई मास का द्वितीय सप्ताहान्त/2nd weekend of May	विश्व प्रवासी पक्षी दिवस / World Migratory Bird Day
14.	22 मई/ May	अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस/International Day of Biological Diversity
15.	23 मई/ May	विश्व कछुआ दिवस / World Turtle Day
16.	मई मास का अन्तिम बुधवार/ Last Wednesday of May	विश्व ऊदबिलाव जागरूकता दिवस/ World Otter Awareness Day
17.	05 जून/ June	विश्व पर्यावरण दिवस / World Environment Day
18.	08 जून/ June	विश्व समुद्र दिवस / World Oceans Day
19.	17 जून/ June	विश्व मरूस्थलीकरण एवं सूखे का मुकाबला करने हेतु दिवस/ World Day to Combat Desertification and Drought
20.	01- 07 जुलाई/ July	वन महोत्सव / Van Mahotsava
21.	22 जुलाई/ July	राष्ट्रीय आम दिवस / National Mango Day
22.	29 जुलाई/ July	अन्तर्राष्ट्रीय व्याघ्र दिवस/ विश्व व्याघ्र दिवस/ International Tiger Day/ Global Tiger Day
23.	04 अगस्त/ August	अन्तर्राष्ट्रीय उल्लू जागरूकता दिवस/ International Owl Awareness Day
24.	सितम्बर माह का प्रथम शनिवार/ 1st Saturday of September	अन्तर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस/ International Vulture Awareness Day
25.	16 सितम्बर/ September	अन्तर्राष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस / International Day for Preservation of the Ozone Layer
26.	01-07 अक्टूबर/October	वन्यजीव सप्ताह / Wildlife Week
27.	21 नवम्बर/ November	विश्व मत्स्य दिवस / World Fisheries Day
28.	02 दिसम्बर/ December	राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस/ National Pollution Control Day
29.	05 दिसम्बर/ December	विश्व मृदा दिवस/ World Soil Day

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड
U.P. State Biodiversity Board
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ०प्र०) 226010 द्वारा प्रकाशित

फोन : 0522–4006746
ईमेल : upstatebiodiversityboard@gmail.com,
वेबसाइट : upsbdb.org;

© Uttar Pradesh State Biodiversity Board
Year of Publication : 2022

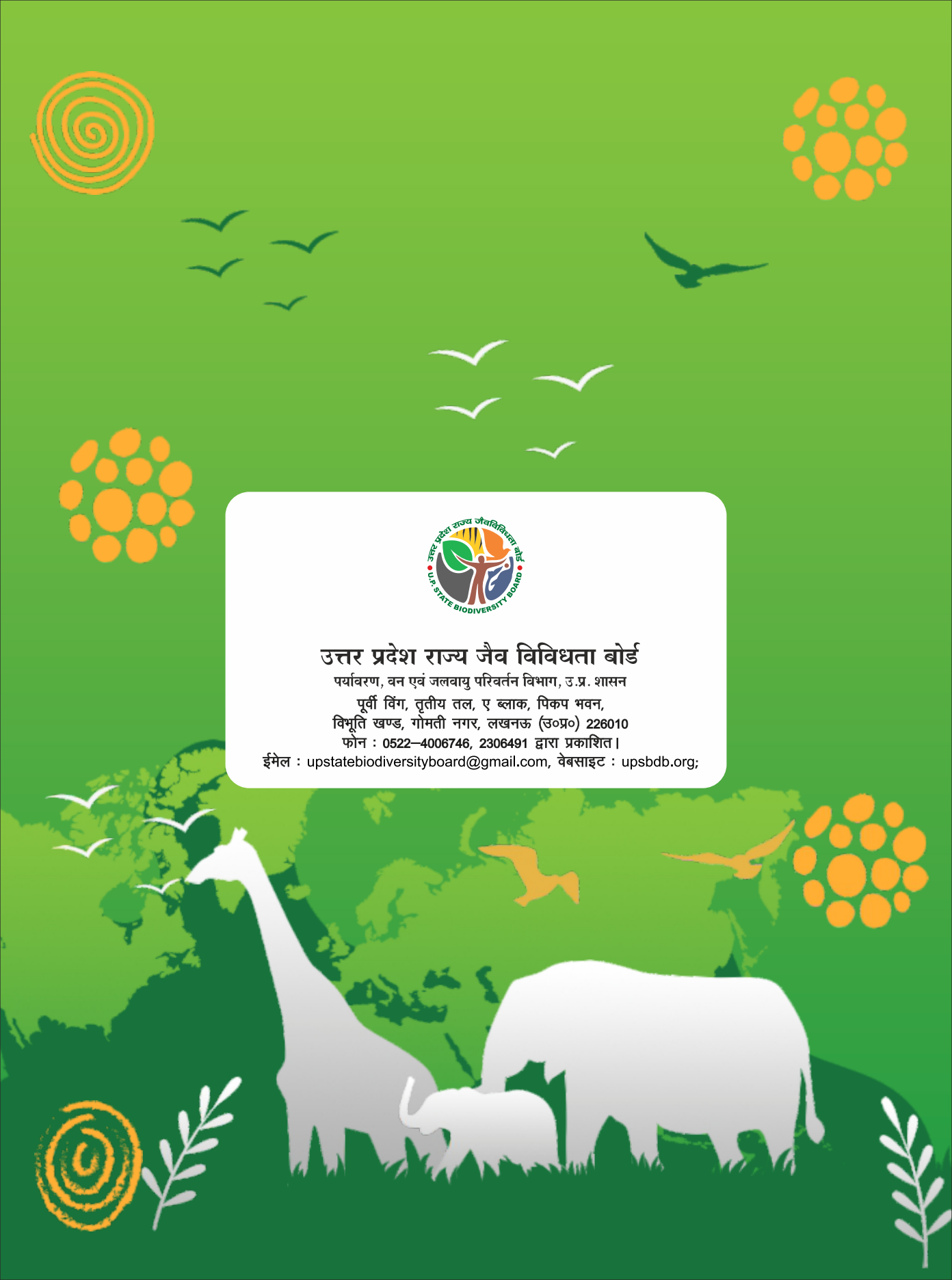

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ.प्र. शासन
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए ब्लाक, पिकप भवन,
विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ०प्र०) 226010
फोन : 0522–4006746, 2306491 द्वारा प्रकाशित।
ईमेल : upstatebiodiversityboard@gmail.com, वेबसाइट : upsbdb.org;